

**चूहादान पुं.** (देश.) चूहों को फँसाने का एक प्रकार का पिंजड़ा, चूहेदानी।

**चें स्त्री.** (अनु.) चिड़ियों के बोलने का शब्द, चें-चें।

**चेंच पुं.** (देश.) एक प्रकार का साग जो बरसात में बहुत उगता है।

**चेंचरी स्त्री.** (देश.) मस्तक का सबसे ऊपरी भाग, खोपड़ी।

**चेंज पुं.** (अं.) 1. वायु परिवर्तन के लिए जाना, हवा बदलना 2. एक गाड़ी से उतर कर दूसरी पर चढ़ना, बदलना 3. बड़े सिक्कों का छोटे सिक्कों में बदलना, विनिमय।

**चेंटुआ पुं.** (देश.) चिड़िया का बच्चा।

**चेंपें स्त्री.** (अनु.) 1. वह धीमा शब्द या कार्य जो किसी बड़े के सामने किसी प्रकार का विरोध प्रकट करने के लिए किया जाए, चीं-चपड़ 2. व्यर्थ की बकवाद, बकबक।

**चेंबर पुं.** (अं.) कमरा, जज का कमरा जिसमें वह ऐसे मुकदमें सुनता है जिन्हें अदालत में सुनने की जरूरत न हो, सभागृह।

**चेंबर आफ कामर्स पुं.** (अं.) किसी नगर के प्रधान व्यापारियों की वह सभा जिसका संगठन उन व्यापारियों के व्यापार संबंधी हितों की रक्षा के लिए हुआ हो।

**चेअर स्त्री.** (अं.) 1. बैठने की कुर्सी 2. किसी विश्वविद्यालय में किसी विषय के पढ़ाने के लिए किसी महान व्यक्ति के नाम पर स्थापित की हुई व्यवस्था 3. अध्यक्ष के पद पर बैठा हुआ व्यक्ति।

**चेअरमैन पुं.** (अं.) किसी सभा या बैठक का प्रधान, सभापति, अध्यक्ष।

**चेक पुं.** (अं.) 1. वह रुक्का या आज्ञापत्र जो किसी बैंक आदि के नाम लिखा गया हो और जिसके देने पर वहाँ से उस पर लिखी हुई रकम मिल जाए, एक प्रकार की हुंडी टि. किसी बैंक के नाम चेक लिखने का अधिकार उसी को होता है जिसका रुपया बैंक में जमा हो 2. बहुत सी सीधी रेखाओं

पर आड़ी खींची हुई रेखाओं से बना चौकोर खाना, चार खाना 3. एक प्रकार के चार खाने का कपड़ा।

**चेकितान पुं.** (तत्.) 1. महादेव, शिव 2. केकय देश के राजा धृष्टकेतु के पुत्र का नाम जिसने महाभारत के युद्धमें पांडवों की सहायता की थी वि. बहुत बड़ा जानी।

**चेचक स्त्री.** (तु.) शीतला या माता नामक रोग, ऐसा छूतहा रोग जिसमें ज्वर के साथ सारी देह में दाने निकल आते हैं।

**चेट पुं.** (तत्.) 1. दास, सेवक, नौकर 2. पति, खाविंद 3. नायक और नायिका को मिलने वाला प्रवीण पुरुष, भडुवा 4. एक मछली 5. भाँडा।

**चेटक पुं.** (तत्.) 1. सेवक, दास, नौकर 2. चटक-मटक 3. दूत 4. जल्दी, फुरती 5. चाट, चसका, मजा पुं. 1. इंद्रजाल, बाजीगरी विद्या, नजरबंद का तमाशा 2. भाँडों का तमाशा, कौतुक।

**चेटकी पुं.** (तत्.) 1. इंद्रजाली, जादूगर 2. कौतुकी।

**चेटिका स्त्री.** (तत्.) सेवा करने वाली स्त्री, दासी, लौंडी।

**चेटी स्त्री.** (तत्.) दासी, लौंडी।

**चेटुवा पुं.** (तत्.) चिड़िया का बच्चा।

**चेड़िका स्त्री.** (तद्.) दे. चेटिका।

**चेत पुं.** (तत्.) 1. चित्त की वृत्ति, चेतना, संज्ञा, होश 2. ज्ञान, बोध 3. सावधानी, चौकसी 4. ख्याल, स्मरण, सुध 5. चित्त, मन।

**चेतक पुं.** (तत्.) महाराणा प्रताप का प्रसिद्ध ऐतिहासिक घोड़ा वि. 1. सचेत करने वाला 2. चेतन 3. जादू भरी।

**चेतकी स्त्री.** (तत्.) 1. हरीतकी, हर का पेड़, साधारण हड़ 2. चमेली का पौधा 3. एक रागिनी का नाम।

**चेतन पुं.** (तत्.) 1. आत्मा, जीव 2. मनुष्य, आदमी 3. प्राणी, जीवधारी 4. परमेश्वर।

**चेतनकी स्त्री.** (तत्.) हरीतकी, हर का पेड़, हड़।